औषधीय (मेडिकल) गर्भसमापन

भारत में गर्भसमापन कानून या मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 (MTP अधिनियम) में पारित किया गया था। इस काननू के आधार पर, गर्भसमापन सेवाएं काननूी रूप से सरकारी अस्पतालों और मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य सुविधाओं में दी जाने की अनुमति है। यह काननू उन शर्तों को भी निर्दिष्ट करता है, जिस के तहत जो महिलाएं अवांछित गर्भावस्था को समाप्त करना चाहती हैं, उन्हें गर्भसमापन सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। हालाँकि, गर्भसमापन सेवाएँ वर्तमान में मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में और बहुत कम सुविधाओं में उपलब्ध हैं, इसलिए गरीब, ग्रामीण महिलाएँ इन तक पहुँच पाने में असमर्थ हैं। इस प्रकार, सुरक्षित और कानूनी गर्भसमापन अभी भी कई महिलाओं के लिए उपलब्ध नहीं है।

औषधीय गर्भसमापन को इस उद्देश्य से बनाया गया ताकि महिलाएं सुरक्षित गर्भसमापन कि सेवाओं तक पहुंच पाएं। प्रचलित डी एंड सी (Dilatation and curettage) विधि जिसमें गर्भाशय का मुंह बडा कर के अंदर से गर्भ को खरोंच कर निकाल दिया जाता है, उसकी तुलना में यह गोलियों द्वारा गर्भसमापन अधिक सुरक्षित और आसान हैं।

अब हम इस बारे में जानेंगे कि ये गोलियाँ कैसे काम करती हैं, उन्हें कैसे लेना है और उनके लाभ और प्रतिकूल प्रभाव क्या हैं।

गोलियों द्वारा गर्भसमापन क्या होता है?

इससे पहले कि भ्रूण गर्भाशय के बाहर स्वतंत्र रूप से जीवित रहने की क्षमता प्राप्त कर ले, इसे गर्भाशय से निकाल दिया जाता है, इसे गर्भसमापन कहा जाता है। इसे करने की कई सारी चिकित्सा विधियां है।

मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल दो विशेष गोलियाँ हैं जो गर्भसमापन के लिए उपलब्ध हैं। गर्भसमापन करवाने के लिए इन गोलियों का उपयोग करना औषधीय या मेडिकल गर्भसमापन कहलाता है। गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, इस आधार पर गोलियों की खुराक और उन्हें लेने का समय अलग अलग होता है।

गोलियों की खुराक और उनका इस्तेमाल कैसे करें?

गर्भसमापन की गोलियों को केवल एक पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टीशनर या चिकित्सक के मार्गदर्शन में लिया जाना चाहिए।

एमटीपी अधिनियम गर्भावस्था के 7 सप्ताह तक औषधीय गर्भसमापन की गोलियों के उपयोग की अनुमति देता है। हांलाकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) गर्भावस्था के 9 सप्ताह तक के लिए गोलियों से गर्भसमापन की सलाह देता है और गोलियों के निम्नलिखित अनुसूचि की सिफारिश करता है:

विधि 1
• 4 से 7 सप्ताह के गर्भसमापन के लिए मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल की गोलियाँ खानी है।
• पहले एक मिफेप्रिस्टोन गोली खानी है।
• पहली गोली खाने के 36-48 घंटे के बाद एक साथ दो मिसोप्रोस्टोल की गोलियाँ खानी है।

विधि 2
• 4-7 सप्ताह के गर्भसमापन के लिए मिफेप्रिस्टोन गोली खानी है और और मिसोप्रोस्टोल गोली योनि मार्ग में रखनी हैं।
• पहले एक मिफेप्रिस्टोन गोली खानी हैं।
• पहली गोली खाने के 36-48 घंटे के बाद मिसोप्रोस्टोल की 4 गोलियाँ एक साथ योनि के अंदर रखनी हैं।
• योनि में 4 गोलियां रखने के बाद यदी माहवारी जैसा खून बहना शुरू नहीं होता हैं तो योनि में एक साथ 2 मिसोप्रोस्टोल गोलियाँ फिर से रखनी या खानी है।

गोलियाँ कैसे काम करती है ?

मिफेप्रिस्टोन एक दवा है जो हार्मोन प्रोजेस्टेरोन के खिलाफ काम करती है। जब एक गर्भवती महिला द्वारा इसे लिया जाता है, तो मिफेप्रिस्टोन प्रोजेस्टेरोन हार्मोन स्त्राव की मात्रा को कम करती है जिसके परिणाम निम्नलिखित है

- यह गर्भाशय में भ्रूण के विकास को रोकती है।
- यह भ्रूण को गर्भाशय की परत से अलग करने का कारण बनती है।
- यह गर्भाशय की ग्रीवा को नरम करती है।
- यह गर्भाशय को बार बार सिकोडती और फैलाती है।

जब इसे गर्भसमापन के लिए लिया जाता है, तो मिसोप्रोस्टोल की दवा निम्नलिखित तरीकों से कार्य करती है:

- यह गर्भाशय, गर्भाशय ग्रीवा के मुंह को नरम और चौडा करती है।
- यह गर्भाशय के संकुचन का कारण बनती है।

पहली गोली, मिफेप्रिस्टोन, भ्रूण को गर्भाशय के अंदरूनी परत से अलग करने का कारण बनती है। दूसरी गोली, मिसोप्रोस्टोल, फिर गर्भाशय से भ्रूण को बाहर निकालने में मदद करती है।यह प्रकिया प्राकृतिक गर्भसमापन के समान है, जहां रक्तस्राव होता है, और गर्भावस्था खत्म हो जाती है।

गोलियाँ लेने के बाद क्या होता है ?

ज्यादातर महिलाओं में मिसोप्रोस्टोल लेने के 4-6 घंटे के भीतर खून बहना शुरू हो जाता है। कभी कभी, यह शुरू होने के लिए 24 घंटे तक का समय लग सकता है। कुछ महिलाओं को मतली, उल्टी, जी मचलना, दस्त, बुखार, पेट में गंभीर दर्द और ऐठन का अनुभव हो सकता है। 4-5 दिनों के लिए भारी रक्तस्राव हो सकता है, 8-13 दिनों तक हल्का रक्तस्राव जारी रह सकता है।

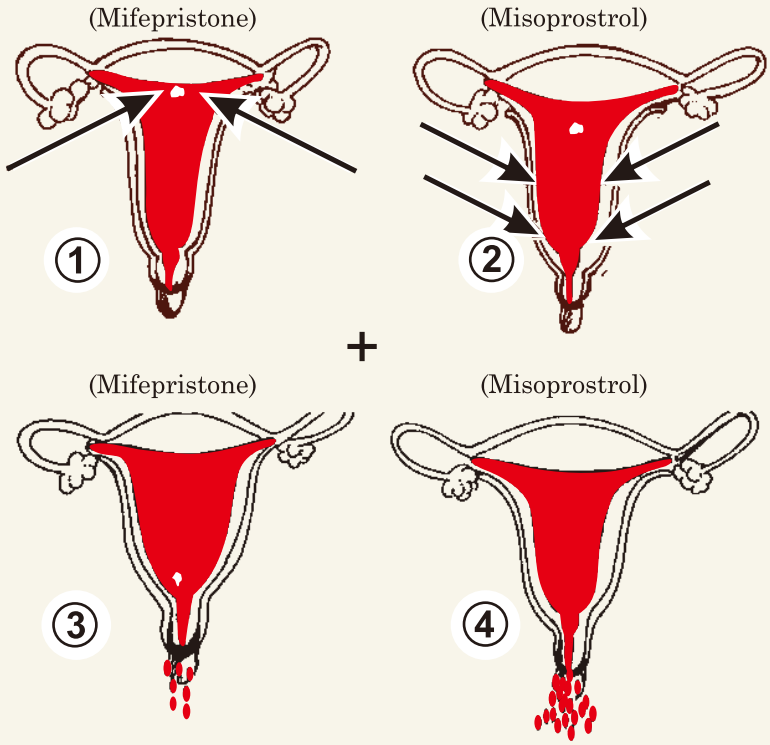

कुछ देशों में, महिलाएं गर्भसमापन के लिए सिर्फ मिसोप्रोस्टोल का उपयोग करती हैं। ऐसी स्थिति में मिसोप्रोस्टोल की ज्यादा खुराक का उपयोग करना जरुरी है। क्योंकि सिर्फ मिसोप्रोस्टोल का उपयोग किया जाता है, गर्भसमापन में देरी भी हो सकती है और यह भी अधूरा या अपूर्ण भी हो सकता है। इस कारण कई हानिकारक प्रभाव भी हो सकते हैं।

यह गोलियाँ किस हद तक प्रभावशाली है?

इन गोलियों से गर्भसमापन की सफलता की संभावना गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, और गोलियों की खुराक कैसे ली गई है, इस आधार पर अलग अलग होती है।

गर्भावस्था के सप्ताह	गोलियों को लेने का तरीका	पूर्णतः गर्भसमापन की संभावना
4-7 सप्ताह	दोनो गोलियाँ खाएं	85-90 %
4-7 सप्ताह	मिफेप्रिस्टोन खाएं और मिसोप्रोस्टोल योनि मार्ग में रखें	95-98 %

खतरे के संकेत

1. बहुत ज्यादा रक्तस्राव, एक घंटे के भीतर दो से अधिक सैनेटरी नैपकिन बदलने की जरुरत पडे।
2. लगातार बुखार।

मिसोप्रोस्टोल गोली खाने के 24 घंटे बाद, मान लीजिए कि माहवारी का रक्तस्राव शुरू नही हुआ है और अगर उपर बताए संकेत बने रहते है, तो बिना कोई देरी किये डाक्टर कि मदद लेनी चाहिए।

औषधीय गर्भसमापन के लिए, अस्पताल में कम से कम तीन बार जाना पडता है। शायद ही कभी ऐसा होता है कि इन गोलियों के इस्तेमाल से कुछ महिलाओं में गर्भसमापन नही होता या पूरी तरह नही होता । यदि ऐसा होतो ऑपरेशन से (DC or MVA) गर्भसमापन करने कि आवश्यकता होती है क्यों कि गोलियाँ गर्भाशय में गर्भ के विकास को प्रभावित कर सकती है।

औषधीय गर्भसमापन की गोलियों के संबंध में अक्सर पुछे जाने वाले सवाल और उनका स्पष्टीकरण

1. क्या औषधीय गर्भसमापन विधि से दुसरे की तुलना में ज्यादा रक्तस्त्राव होता है?

नही, जब एक ऑपरेशन से गर्भसमापन किया जाता है, तो प्रकिया के दौरान गर्भाशय से रक्त निकाल दिया जाता है। और क्योंकि महिला उस समय बेहोश होती है वह खोये हुए रक्त कि मात्रा को देख नहीं पाती। दुसरी ओर औषधीय गर्भसमापन गोलियां लेने पर भ्रूण टूटकर कुछ घंटों से कुछ दिनो तक थोडा थोडा निष्कासित होता है इसलिए महिला रक्तस्त्राव को देख पाती है।

2. औषधीय गर्भसमापन विधि अन्य तरीकों से कैसे अलग होती है?

नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है कि औषधीय गर्भसमापन कैसे ऑपरेशन कि विधि से (गर्भाशय का मुंह बडा कर के अंदर से गर्भ को खरोंच कर निकालना) या वैक्यूम अेस्पिरेशन (गर्भाशय से परत को खींचने के अन्य तरीकों) से अलग होता है।

3. क्या आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियाँ गर्भसमापन की गोलियों के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है?

नहीं, गर्भसमापन के लिए आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियों का उपयोग नहीं किया जा सकता है। ये दोनों अलग अलग तरह से काम करती हैं। आपातकालीन गोलियां अंडाशय से निकले हुए अंडाणु को पुरुष शुक्राणु द्वारा निषेचन होने से रोकती है। इनसे गर्भसमापन नही होता। औषधीय गर्भसमापन की गोलियाँ पहले से बने भ्रूण को निष्कासित करती है।

औषधीय गोलियों से गर्भसमापन	ऑपरेशन कि विधि से गर्भसमापन
इसका उपयोग 4 सप्ताह से कम की गर्भावस्था के गर्भसमापन के लिए किया जा सकता है	इसका उपयोग 7 सप्ताह या ज्यादा अवधि की गर्भावस्था के गर्भसमापन के लिए किया जा सकता है
यदि गोलियाँ अस्पताल में ली गई हों, तो भी गर्भसमापन घर पर हो सकता है	अस्पताल में भरती होना पडता है
2-3 बार अस्पताल जाना पडता है मिसोप्रोस्टोल गोलियाँ लेने पर 2-3 घंटे पेट दर्द हो सकता	1-2 बार अस्पताल जाना पडता है गर्भसमापन प्रकिया के दौरान दर्द हो सकता है
यह सुरक्षित है और इसके कम हानिकारक प्रभाव है	यह सुरक्षित है और इसके कम हानिकारक प्रभाव है
1 या 2 सप्ताह तक रक्तस्त्राव हो सकता है	रक्तस्त्राव केवल कुछ दिनों तक रहता है क्योंकि ऑपरेशन कि प्रकिया के दौरान गर्भाशय का अधिकांश रक्तनिकाल दिया जाता है
बेहोश करने कि जरुरत नही पडती, दर्द से राहत के लिए गोलियों की जरुरत पड सकती है	दर्द निवारक और बेहोश करने, दोनों कि जरुरत पडती है
रक्त के थक्के और भ्रूण के कुछ हिस्से महिलाओं को दिखाई दे सकते है	यह सिर्फ माहवारी की तरह होता है, और कुछ नही

4. क्या स्तनपान के दौरान औषधीय गर्भसमापन की गोलियाँ ली जा सकती है ?

हां, स्तनपान के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि स्तन के दुध में मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल का स्त्राव होता हैं। लेकिन बच्चे पर इसका असर होता है इसका पर्याप्त प्रमाण नही है। अगर महिला को लगता है की यह बच्चे के स्वास्थय को प्रभावित करती है तो गोलियाँ खाने के 24 घंटों तक बच्चे को स्तनपान न कराएं।

5. क्या सफेद पानी की शिकायत वालीं महिलाएं इन औषधीय गर्भसमापन की गोलियों को ले सकती है ?

हां, सफेद पानी की शिकायत वालीं महिलाएं इन औषधीय गर्भसमापन की गोलियों को ले सकती है। लेकिन इसके साथ, उनको डाक्टर से सफेद पानी की शिकायत के लिये सलाह और इलाज भी लेना चाहिए।

6. औषधीय गर्भसमापन के बाद एक महिला कितने समय में फिर से गर्भवती हो सकती है?

औषधीय गर्भसमापन के बाद महिला तुरंत गर्भधारण कर सकती है। यदि गर्भधारण की इच्छा न हो तो उचित गर्भनिरोधक का इस्तेमाल करना बहुत महत्वपूर्ण है।

7. क्या किशोरियाँ इस विधि का इस्तेमाल कर सकती है?

हां, कर सकती है। किशोरियों के इसे इस्तेमाल न करने के लिए कोई मेडिकल कारण नहीं है। जो महिलाएं अपनी पहली गर्भावस्था में इन गोलियों का उपयोग करती हैं उन्हे दूसरों की तुलना मे अधिक गंभीर दर्द का अनुभव हो सकता है और दर्द से राहत के लिए दवा लेने की जरुरत हो सकती है। औषधीय गर्भसमापन सभी उम्र की महिलाओं के लिए एक सुरक्षित विधि है।

8. क्या एचआईवी से संक्रमित महिला औषधीय गर्भसमापन की गोलियाँ ले सकती है?

अन्य सभी महिलाओं की तरह, एचआईवी से संक्रमित महिलाएं यह गर्भसमापन की गोलियों का इस्तेमाल कर सकती हैं। आम तौर पर, एचआईवी से संक्रमित महिला जब आपरेशन की प्रकिया से गर्भसमापन करती है तब प्रजनन पथ संक्रमण होने का अधिक खतरा होता है। यह बात औषधीय गर्भसमापन विधि पर भी लागू होती है।

9. कौनसी महिलाएं औषधीय गर्भसमापन गोलियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती है?

- अगर संदेह है कि महिला में गर्भधारणा फैलोपियन ट्यूब या गर्भाशय के अलावा किसी अन्य जगह हुई हो तो
- मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल से एलर्जी हो तो
- गंभीर एनिमिया और 8 ग्राम से कम हिमोग्लोबिन वाली महिलाएं हो तो
- महिलाएं जिनमें दिल से संबंधित समस्या, उच्च रक्तचाप, यकृत (किडनी)और गुर्दे से संबधिंत समस्या हो तो
- जिन महिलाओं में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं रही हो उन्हें इन गोलियों का इस्तेमाल केवल डाक्टर की सलाह से करना चाहिए

महिलाएं औषधीय गर्भसमापन गोलियों का इस्तेमाल क्यों पसंद करती हैं?

महिलाओं द्वारा अन्य विधि की तुलना में इन गोलियों का इस्तेमाल पसंद करने के मुख्य कारण:

- यह सुरक्षित है और प्राकृतिक माहवारी के जैसा लगता है।
- अस्पताल में रातभर रहने की कोई जरुरत नहीं होती है।
- बेहोश करने या ऑपरेशन करने या अस्पताल में रहने की कोई जरुरत नहीं होती।
- पहली गोली अस्पताल में लेने के बाद, बाकी गोलियाँ घर पर डाक्टर की सलाह से ली जा सकती हैं।
- 7 सप्ताह से कम की गर्भावस्था के गर्भसमापन के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- गर्भसमापन गुप्त रहता है।
- इसका इस्तेमाल आसान है और महिला स्वयं इसे इस्तेमाल कर सकती है।
- स्तनपान करनी वाली महिलाओं और अविवाहित महिलाओं के लिए योग्य विधि है।
- यह बहुत महंगी नहीं है। भारत में इन औषधीय गर्भसमापन गोलियों की कीमत लगभग 200 से 500 तक होती है।
- 2003 के मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेन्सी एक्ट के संशोधित अधिनियम के तहत, केवल प्रमाणित गर्भसमापन प्रदाता ही औषधीय गर्भसमापन की गोलियां प्रदान कर सकते है। मेडिकल गर्भसमापन की सुविधाएं, सरकारी मान्यता प्राप्त अस्पताल में, प्रमाणित और एमटीपी एक्ट के तहत प्रशिक्षित डाक्टर ही प्रदान कर सकते है। ये डाक्टर औषधीय गर्भसमापन की गोलियाँ अपने निजी दवाखानो में भी दे सकते है, लेकिन वे ऐसा तभी कर सकते हैं जब उनके पास एमटीपी एक्ट के तहत प्रमाणित स्वास्थ्य सुविधा हो, जिसमें महिला को आगे जरूरत हो तो भेजा जा सके। यह सुविधा एक्ट के तहत स्वीकृत है इसका प्रमाण पत्र क्लिनिक में सामने प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

RUWSEC

Published by

SAHAJ for CommonHealth

SAHAJ, 1 Shri Hari Apartments, 13 Anandnagar Society,
Behind Express Hotel, Alkapuri, Vadodara, Gujarat, India 390007
Tel: 91-265-2342539 • Email: sahaj_sm2006@yahoo.co.in
Website: www.sahaj.org.in

Contact: Swati Shinde [Coordinator CommonHealth]
Email : cmnhsa@gmail.com
CommonHealth website: http://www.commonhealth.in

CommonHealth